श्री लाल नाथ हिन्दू कॉलेज, रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक द्वारा मान्यता प्राप्त

स्नातकोत्तर /स्नातक सहशिक्षा महाविद्यालय, स्थित भिवानी रोड, रोहतक ।

(NAAC द्वारा 'B' (2.7)ग्रेड प्राप्त)

सत्र 2022 – 23

हिंदी विभाग

वार्षिक रिपोर्ट

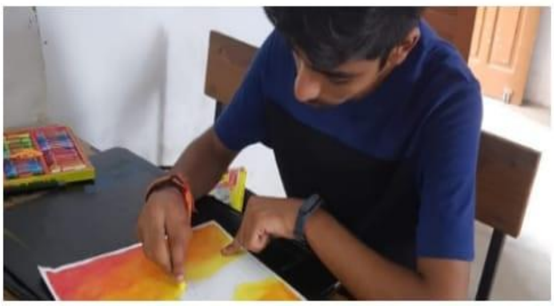

हिंदी विभाग

डॉ. अंजु देशवाल (सह-आचार्या)

(हिंदी विभागाध्यक्षा)

Ph. 94667234448   Email-id-
anjudeshwal1974@gmail.com

डॉ. सुमन रानी

(सहायक प्राध्यापिका)

कुमारी चंद्रिका

(सहायक प्राध्यापिका)

श्रीमती किरण देवी

(सहायक प्राध्यापिका)

डॉ. गीता देवी

(सहायक प्राध्यापिका)

हिंदी विभाग

किसी राष्ट्र के निर्माण में विद्यार्थी उस राष्ट्र की अमूल्य धरोहर होता है। बदलते परिवेश में विद्यार्थी स्वयं द्वारा अर्जित ज्ञान एवं समझ के द्वारा राष्ट्र निर्माण में युगांतकारी भूमिका निभाता है । अतः विद्यार्थियों का संज्ञानात्मक विकास तभी संभव है जब सह-पाठयक्रम गतिविधियां करवाई जाए।

सत्र 2022-23 में महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा कुल पाँच गतिविधियों का आयोजन करवाया गया। जिसके माध्यम से छात्रों में निहित कौशलों की पहचान की गई एवं उनमें आत्मविश्वास की भावना का विकास किया गया साथ ही छात्रों को चिंतन स्तर, अवबोध स्तर विकसित करने के अवसर दिए गए ,जिससे छात्रों का मानसिक,बोद्धिक, नैतिक सर्वागीण विकास हो एवं ऊर्जा का संचय हो ।

डॉ. अंजु देशवाल (सह-आचार्या)
(हिंदी विभागाध्यक्षा)

<u>हिंदी विभाग – गतिविधियां</u>

(2022 – 2023)

क्रमांक	दिनांक	गतिविधियां	प्रतिभागियों की संख्या
1.	14 सितंबर,2022	पोस्टर एवं नारा लेखन	45
2.	07 अक्टूबर, 2022- 15 अक्टूबर, 2022	वर्तनी शुद्धि एवं संशोधन (क्षेत्र सर्वेक्षण)	37
3.	20 फरवरी,2023	लघुकथा वाचन प्रतियोगिता	35
4.	29 मार्च ,2023	राष्ट्रीय संगोष्ठी वैश्वीकरण के दौर में साहित्य, राजनीति, मीडिया और बाज़ार	245

पोस्टर एवं नारा लेखन

14 **सितम्बर,** 2022

महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 14 सितंबर को" हिंदी दिवस" के उपलक्ष्य में छात्रों की प्रतिभा निखारने हेतु पोस्टर बनाओ एवं नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया I पोस्टर मेकिंग एवं नारा लेखन के माध्यम से छात्रों में रचनात्मक व सृजनात्मकता का विकास होता है। छात्र इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने लेखन कौशल एवं कलात्मक प्रतिभा में प्रवीण होने का अवसर प्राप्त करते हैं। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के कुल 35 विद्यार्थियों नेभाग लिया ।

नारा लेखन

क्रमसंख्या	**नाम**	**कक्षा**	**अनुक्रमांक**	**स्थान**
1	**आकांक्षा**	बी. ए. तृतीयवर्ष	3509	प्रथम
2	**निलेश**	बी. ए. द्वितीयवर्ष	8352	द्वितीय
3	**नमन**	बी. ए. तृतीयवर्ष	3352	तृतीय

पोस्टर मेकिंग

क्रमसंख्या	**नाम**	**कक्षा**	**अनुक्रमांक**	**स्थान**
1	**रिया**	बी. ए. तृतीयवर्ष	3116	प्रथम
2	**गोवांश**	बी. ए. द्वितीयवर्ष	8260	द्वितीय
3	**माधव**	बी. सी. ए. द्वितीयवर्ष	9089	तृतीय

पोस्टर में रिया, नारा लेखन में आकांशा प्रथम

रोहतक। श्री लाल नाथ हिंदू महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा प्राचार्य हिंदी दिवस पर पोस्टर बनाओ और नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय विविधता में एकता का आधार हिंदी भाषा रहा।

प्राचार्य डॉ. रश्मि छाबड़ा ने कहा कि भाषा ही एक ऐसा माध्यम है जो अनेकता में एकता का संचार करती है। हमें हिंदी भाषा के बोले जाने पर गर्व करना होगा और इसके लिए युवाओं को आगे आने की आवश्यकता है। विभागाध्यक्षा डॉ. अंजू देसवाल ने बताया कि हिंदी को विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली तीसरी भाषा का दर्जा प्राप्त है। पोस्टर निर्माण में प्रथम रिया, द्वितीय गोवांश एवं तृतीय स्थान माधव ने और नारा लेखन में प्रथम स्थान आकांशा, द्वितीय स्थान निलेश एवं तृतीय स्थान नमन ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. मीनाक्षी गुगनानी, अनिला डॉ. सुमन रानी ने निभाई। इस अवसर पर चंद्रिका, अनीता आदि मौजूद रहे।

वर्तनी शुद्धि एवं संशोधन प्रतियोगिता

दिंनाक :7 अक्टूबर ,2022- 15 अक्टूबर, 2022

महाविद्यालय के "हिंदी विभाग" द्वारा "वर्तनी शुद्धि प्रतियोगिता" के तहत छात्रों को वर्तनी संबंधी जानकारी देने के लिए क्षेत्र सर्वेक्षण कराया गया। "वर्तनी शुद्धि प्रतियोगिता" के तहत क्षेत्र सर्वेक्षण से छात्रों में ज्ञान वृद्धि एवं बौद्धिक विकास के साथ-साथ सामाजिकता का भी विकास होता है।इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों से 37 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।क्षेत्र सर्वेक्षण का आयोजनडॉ अंजू देशवालएवं कुमारी चंद्रिका के दिशा निर्देशन में किया गया।निर्णायक मंडल की भूमिका, डॉ सुमन रानी, श्रीमती किरण देवीने निभाई ।

नाम	कक्षा	रोलन०	श्रेणी
पवन	बी. ए. प्रथमवर्ष	10170	प्रथम
जतिन	बी. ए. द्वितीयवर्ष	8029	द्वितीय
मनीष	बी. ए. द्वितीयवर्ष	8086	द्वितीय
साहिल	बी. ए. द्वितीयवर्ष	8242	तृतीय
आकाश	बी. ए. द्वितीयवर्ष	8109	तृतीय

वर्तनी शुद्धि एवं संशोधन में पवन प्रथम

रोहतक। श्री लाल नाथ हिंदू महाविद्यालयं केहिंदी विभाग द्वारा वर्तनी शुद्धि एवं संशोधन विषय पर क्षेत्र सर्वेक्षण के दौरान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या डॉ. रश्मि छाबड़ा ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा होने के साथ-साथ विश्व में बोली जाने वाली भाषाओं में तीसरे स्थान पर है। फिर भी हमारे देश में अनेक वर्तनी संबंधी त्रुटियां पाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों के ज्ञान, बुद्धि, सामाजिकता एवं वाक कौशलता में वृद्धि होती है। विभागाध्यक्षा डॉ. अंजू देसवाल ने बताया कि वर्तनी संबंधी त्रुटियों से लोगों को अवगत कराने के लिए इस क्षेत्र सर्वेक्षण का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पवन, द्वितीय स्थान जतिन एवं मनीष तथा तृतीय स्थान साहिल व आकाश ने प्राप्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. सुमन रानी, अनीता एवं किरण देवी ने निभाई। इस मौके पर चंद्रिका सहित अन्य मौजूद रहे।

लघुकथा वाचन प्रतियोगिता

20फ़रवरी, 2022

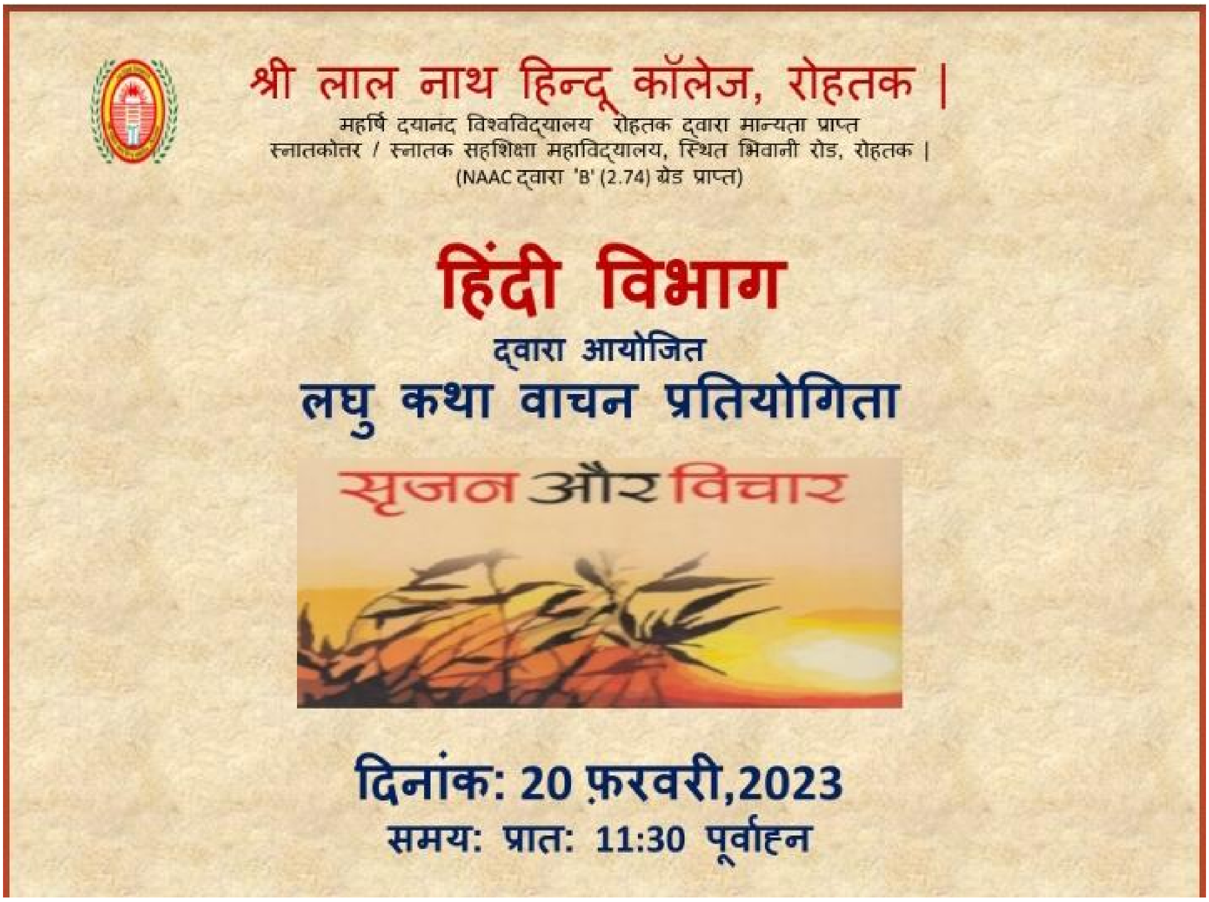

महाविद्यालय के "हिंदी विभाग" द्वारा "लघु कथा वाचन" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। "लघु कथा वाचन" प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों में सामाजिक जागरुकता , बौद्धिकता एवं सृजनात्मकता का विकास होता है।महाविद्यालय में आयोजित इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के विभिन्न संकायों से 35 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर पुरस्कृत किया गया।डॉ अंजू देशवाल एवं कुमारी चंद्रिका के दिशा निर्देशन में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। डॉ सुमन रानी, कुमारी चन्द्रिका एवं डॉ.गीता के द्वारा निर्णायक मंडल की भूमिका निभाई गई।

क्रम संख्या	**नाम**	**कक्षा**	**स्थान**
1	**दीपिका**	बी .ए .प्रथम वर्ष	प्रथम
2	**आकाश**	एम .ए .प्रथम वर्ष	द्वितीय
3	**भव्या**	बी .ए .द्वितीय वर्ष	द्वितीय
4	**सिद्धि**	बी .ए .प्रथम वर्ष	तृतीय
5	**नमन**	बी .ए .तृतीय वर्ष	तृतीय

श्री लाल नाथ हिंदू महाविद्यालय में लघु कथा वाचन प्रतियोगिता करवाई

प्रतियोगिता के दौरान उपस्थित विद्यार्थी व स्टाफ सदस्य।

रोहतक, 20 फरवरी (स.ह.): श्री लाल नाथ हिंदू महाविद्यालय में सोमवार को हिंदी विभाग द्वारा लघु कथा वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 35 छात्रों ने भाग लिया। प्राचार्य डा. रश्मि छाबड़ा ने कहा कि भाषा का मौखिक प्रयोग ही भाषा का मूल रूप है, सार्वजनिक जीवन में मौखिक अभिव्यक्ति का विशेष महत्व है।

अत: जो वक्ता अपने भाव, संवेदना को अभिव्यक्त करने में सक्षम होगा वह उतना ही कुशल वक्ता होगा, इसलिए भावों की अभिव्यक्ति श्रोता में जिज्ञासा का कौतूहल उत्पन्न करती है तथा वह अपनी कहानी में कल्पना वह वर्णन शक्ति द्वारा वातावरण को प्रभावशाली बना देता है।

हिंदी विभागाध्यक्षा डा. अंजू देशवाल ने कहा कि लघु कथा सामाजिक परिवर्तन व विसंगतियों की कोख से उत्पन्न होती है। पहले कथा शिक्षा और मनोरंजन के लिए लिखी जाती थी परंतु आज का मनुष्य जानने लगा है कि मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता है, वह खिलौना नहीं है। अत: आज की कथा का आधार मनुष्य जीवन का यथार्थ है इसलिए लघु कथा किसी बहुत बड़े परिदृश्य में से एक विशेष पल अभिव्यक्त करना है।

प्रतियोगिता में छात्रों ने लघु कथा वाचन के माध्यम से समाज व जीवन के अनकहे पहलुओं को प्रतीकात्मक, व्यंग्यात्मक रूप में लघुता से अभिव्यक्त किया। निर्णायक मंडल की भूमिका डा. अंजू देशवाल, डा. सुमन रानी, कुमारी चंद्रिका, डा. गीता ने निभाई।

प्रतियोगिता में दीपिका प्रथम, आकाश द्वितीय, भव्या द्वितीय, सिद्धि तृतीय व नमन तृतीय रहे। इस अवसर पर डा. अंजू देशवाल, डा. नीलम मग्गू, अनिला बठला, डा. सुमन रानी, कुमारी चंद्रिका, किरण, डा. गीता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी

29 मार्च , 2023

महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा उच्चतर शिक्षा विभाग , पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय बहुविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषय वैश्विकरण के दौर में साहित्य , राजनीति , मीडिया और बाज़ार रहा । संगोष्ठी में भारत के विभिन्न राज्यों से 245 प्रोफेसर , सहायक प्रोफेसर , शोधार्थी और विधार्थियों ने भाग लिया । जिसमे उन्होंने अपने शोध पत्र प्रस्तुति के माध्यम से स्पष्ट किया कि किस प्रकार बाज़ारवाद साहित्य को प्रभावित करता हैं व आज के समय में वैश्विकरण ने पूर्ण विश्व पर प्रभाव डाला हैं ।

साहित्य हमारी प्रवृतियों को अनुशासित करता है : प्रो. सुरेंद्र

श्री लाल नाथ हिंदू कॉलेज में बहु विषयक पर हुई संगोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

श्री लाल नाथ हिंदू महाविद्यालय के हिंदी विभाग एवं उच्चतर शिक्षा विभाग पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में प्राचार्य डॉ. रश्मि छाबड़ा की अध्यक्षता में एक दिवसीय बहु विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका विषय वैश्वीकरण के दौर में साहित्य, राजनीति, मीडिया और बाजार रहा। बंदना रंगा के द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत की गई। संगोष्ठी के मुख्यातिथि प्रो. सुरेंद्र कुमार (डीन अकेडमिक अफेयर्स, महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक) एवं प्रबंध समिति के पूर्व प्रधान राजेश कुमार सहगल, महासचिव जितेंद्र मेहता, प्रबंधक श्याम कपूर व प्रबंधक एसएफएस नंद लाल गिरधर आदि के द्वारा अपनी संस्कृति का निर्वहन करते हुए सरस्वती मां के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। हिंदी विभागाध्यक्षा व राष्ट्रीय संगोष्ठी संचालिका डॉ. अंजू देशवाल ने सेमिनार के विषय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वैश्वीकरण, भूमंडलीकरण, उदारीकरण, बाजारवाद आदि एक दूसरे के पर्यायवाची हैं। प्रो. सुरेंद्र कुमार ने उद्घाटन सत्र में बताया कि किस तरह बाजारवाद साहित्य को प्रभावित करता है और उन्होंने बताया कि साहित्य हमारी उन प्रवृतियों को अनुशासित करता है, जो प्रवृतियां हमें बाजारवाद की तरफ ले जाती हैं। इस अवसर पर हिंदू शिक्षण संस्थान के पूर्व प्रधान राजेश सहगल ने कहा कि आज की नारी चूल्हा-चौकी के संकुचित घेरे से निकालकर जिन ऊंचाइयों तक पहुंच पाई है वह बाजारवाद के कारण ही संभव हो पाया है। मुख्य अतिथि प्रो. सुरेंद्र कुमार को राजेश सहगल, हिंदू शिक्षण संस्थान के अन्य गणमान्य सदस्यों, प्राचार्या डॉ. रश्मि छाबड़ा एवं डॉ. अंजू देशवाल के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ. रश्मि छाबड़ा ने बताया कि वास्कोडिगामा से शुरुआत करते हुए एतिहासिक तथ्यों पर प्रकाश डाला व वर्तमान वैश्वीकरण को साहित्य, राजनीति से जोड़ कर उसके प्रभावों को प्रकट किया। इस अवसर पर एचआईएमटी डायरेक्टर डॉ. हितेश ढल, अनिला बठला, डॉ. शिखा फौगाट, डॉ. पूजा चावला, डॉ. चित्रा शर्मा, डॉ. सन्नी कपूर, डॉ. नीलम राठी, डॉ. दीप्ति शर्मा, डॉ. रजनी कुमारी, डॉ. सुमित कुमारी दहिया, डॉ. रौनक, डॉ. हरदीप, डॉ. राजेश गहलावत, डॉ. शालू जुनेजा, डॉ. चित्रा शर्मा, चंदना जैन, डॉ. रीना कत्याल, डॉ. प्रदीप कुमार मौजूद रहे।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को स्मृति चिंह देते हुए हिंदू शिक्षण संस्थान के पूर्व प्रधान राजेश सहगल व अन्य गणमान्य सदस्य।